5

20-6-23 पत्रावली आज सामने के प्रार्थना? राम जीलाल
पत्र पर पेश हुई मूल वाद प्रार्थी
द्वारा विड्रो कर लिया गया है ऐसी
स्थिति में प्रा० पत्र को चलाने का कोई
औचित्य नहीं है अतः प्रा० पत्र -212

को इसी स्तर पर खारिज किया
जाना उचित समझते है। अतः
प्रा. पत्र-212 इसी स्तर पर खारिज
किया जाता है। पत्रावली फैसला
शुमार होकर संलग्न मूल वापिस
रहे।

उपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज0)